मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस.आर. बोम्मई): (क) से (ग) अन्य बातों के साथ प्रौढ़ निरक्षरता को दूर करने से संबंधित साक्षरता अभियानों की स्थिति की समीक्षा करने के लिए नई दिल्ली में 10 अगस्त, 1996 को राज्य शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया जबकि ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 4-5 जुलाई, 1996 को बुलाए गए मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन में प्राथमिक शिक्षा का सर्वसुलभीकरण तथा मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का विस्तार सहित बुनियादी न्यूनतम सेवाओं पर चर्चा की गई।

राज्य शिक्षा मंत्रियों ने मध्याह्न भोजन कार्यक्रम को जारी रखने तथा नई शताब्दी की शुरूआत होने तक सकल घरेलू उत्पाद का 6 प्रतिशत आवंटित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु शिक्षा में सरकारी निवेश को बढ़ाने से संबंधित केन्द्र सरकार की पहलों का स्वागत किया। सम्मेलन में 2005 तक सबको साक्षर बनाने के संदर्भ में प्रौढ साक्षरता कार्यक्रमों के महत्व तथा प्रारंभिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण को सफल बनाने में प्रौढ साक्षरों द्वारा निभाई जाने वाली उन्प्रेष्त भूमिका को स्वीकार किया गया।

सम्मेलन में प्रारंभिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण के लिए अपेक्षित संसाधनों का पता लगाने के लिए तथा निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने हेतु रूपात्मकताएं तैयार करने के लिए राज्य शिक्षा मंत्री श्री मुही राम सैकिया की अध्यक्षता में राज्य शिक्षा मंत्रियों की एक समिति गठित करने का निर्णय किया गया है।

Hike in the prices of Commonly used medicines

*223. SHRI SATISH PRADHAN:
SHRI VAYALAR RAVI:

Will the MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that retail prices of 21 commonly used drugs have shown sharp increase in the last 20 months; as reported in the "The Hindustan Times" dated the 12th November, 1996;

(b) if so, the reaction of the Government to the observations made therein and facts of the matter;

(c) the details of action taken/proposed by the Government through National Pharmaceutical Pricing Authority (NPPA); and

(d) the justification for upward spurt in prices of essential/commonly used drugs?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI SIS RAM OLA): (a) and (b) The Ministry undertakes periodic studies to compare prices of formulations. In the latest such study it has been found that prices of 21 formulations had gone up. However, it would not be correct to say that all these are commonly used formulations.

(c) The National Pharmaceutical Pricing Authority is yet to start functioning. However, whenever instances of price violations in price controlled formulations are noticed in the Department, action under DPCC, 1995 and Essential Commodities Act, 1955 is taken through the State Drug Controllers.

(d) Increase in the prices of bulk drugs, excepients, utilities, cost of packaging, fluctuation in foreign exchange rate for imported items, changes in excise duty etc. have been found to be the prime factors for increase in the prices of medicines.

Poultry and Dairy in the Cooperative Sector

*226. SHRI V. RAJESHWAR RAO:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state:

(a) whether Government are still encouraging poultry and dairy in the cooperative sector;

(b) if so, the details of the schemes;

(c) the overall plan of Government in this regard and by when it is likely to be realised; and

(d) how our position in this field compares with other developed countries?

THE MINISTER OF STATE OF THE DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING (DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) Yes, Sir. The National Cooperative Development Corporation (NCDC) has been providing assistance to